★ उद्योग ★

* लौह उद्योग →

भारतीय लौह इस्पात कम्पनीयाँ

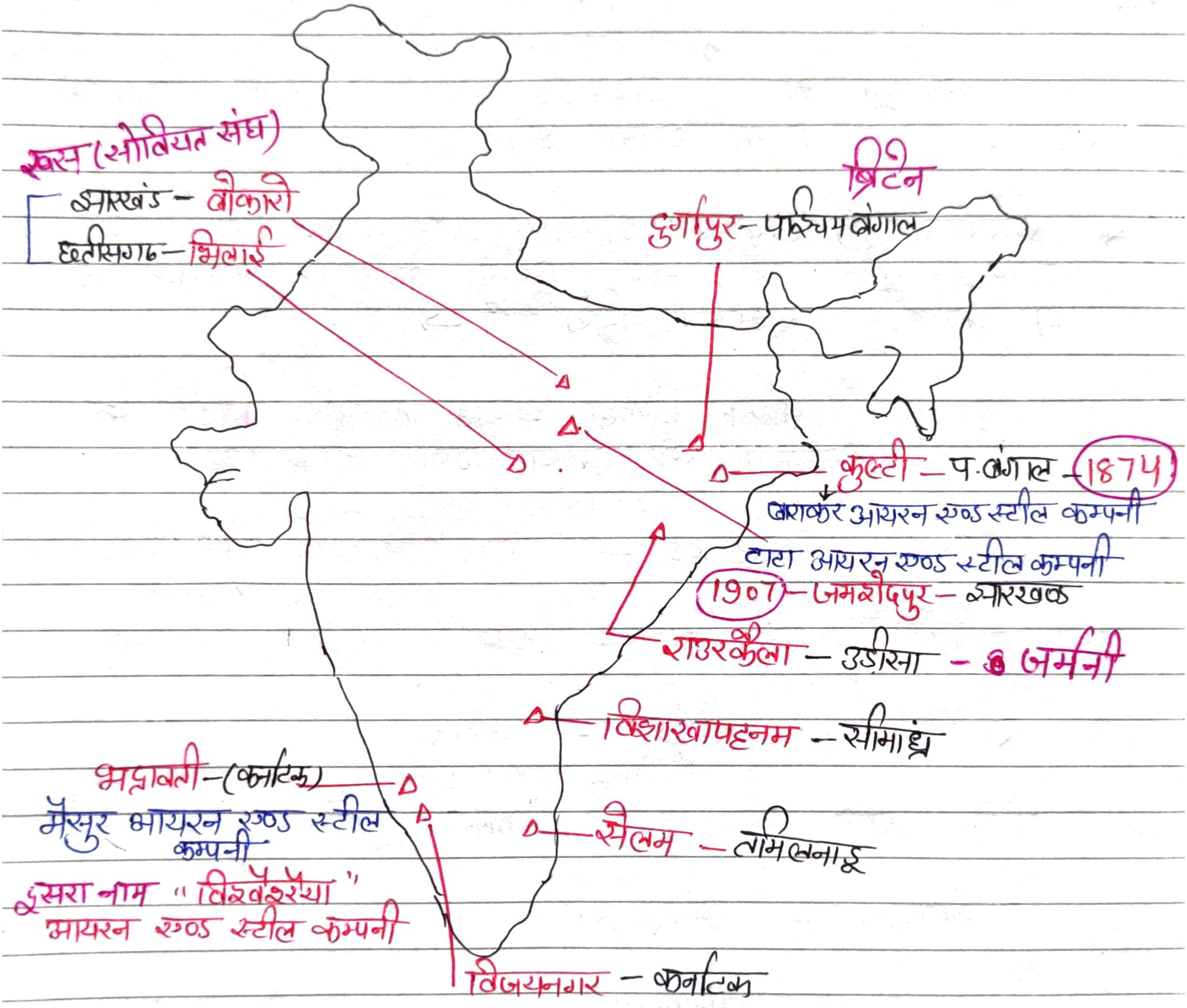

* भारत में लौह इस्पात का पहला कारखाना 1874 प. बंगाल के कुल्टी में लगाया गया था।

* भारत पर बड़े पैमाने पर लौह इस्पात का उत्पादन 1907

में शुरू हुआ। जब झारखण्ड के जमशेदपुर में "टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी" की स्थापना की गई।

* इसके बाद भद्रावती (कर्नाटक) में "मैसूर आयरन एंड स्टील कम्पनी" की स्थापना की गई। इसे वर्तमान में "विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील कम्पनी" के नाम से जाना जाता है।

gm * स्वतंत्रता के बाद "भारतीय लौह स्पात कम्पनी" की स्थापना की गई और दूसरे देशों के सहयोग से 4 कारखाने स्थापित किये थे →

1. दुर्गापुर — पश्चिम बंगाल — यह कारखाना ब्रिटेन के सहयोग से लगाया गया था।

2. बोकारो — झारखण्ड — रूस (सोवियत संघ) के सहयोग से)

3. भिलाई — छत्तीसगढ़ — रूस

4. राउरकेला — उड़ीसा — जर्मनी

* इसके बाद मुख्यतः 3 कारखाने और स्थापित किये गये-

1. विशाखापट्टनम — आंध्रप्रदेश

2. सेलम — तमिलनाडु

★ सूती वस्त्र उद्योग ★

* भारत में सूती वस्त्रों का पहला कारखाना 1818 में प. बंगाल के "फोर्ट ग्लास्टर" में लगाया गया था। लेकिन यह असफल रहा था।

* भारत में सूती वस्त्र का पहला सफल कारखाना 1854 में मुम्बई में लगाया गया था।

* वर्तमान में सूती वस्त्रों का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में किया जाता है।

* महाराष्ट्र में सर्वाधिक उत्पादन मुम्बई में किया जाता है। इसलिए इसे "भारत की वस्त्र नगरी" या "सूती वस्त्रों की राजधानी" कहा जाता है।

* गुजरात मे सर्वाधिक उत्पादन अहमदाबाद में होता है। इसलिए अहमदाबाद को "भारत का मैनचेस्टर" या "पूर्व का बोस्टन (U.S.A)" कहा जाता है।

*. उत्तर भारत में सर्वाधिक उत्पादन कानपुर में होता है इसलिए कानपुर को "उत्तरी भारत का मैनचेस्टर" कहा जाता है। जबकि दक्षिणी भारत में सर्वाधिक उत्पादन कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में होता है। इसलिए कोयम्बटूर को "दक्षिणी भारत का मैनचेस्टर" कहा जाता है।

★ एल्युमीनियम उद्योग ★

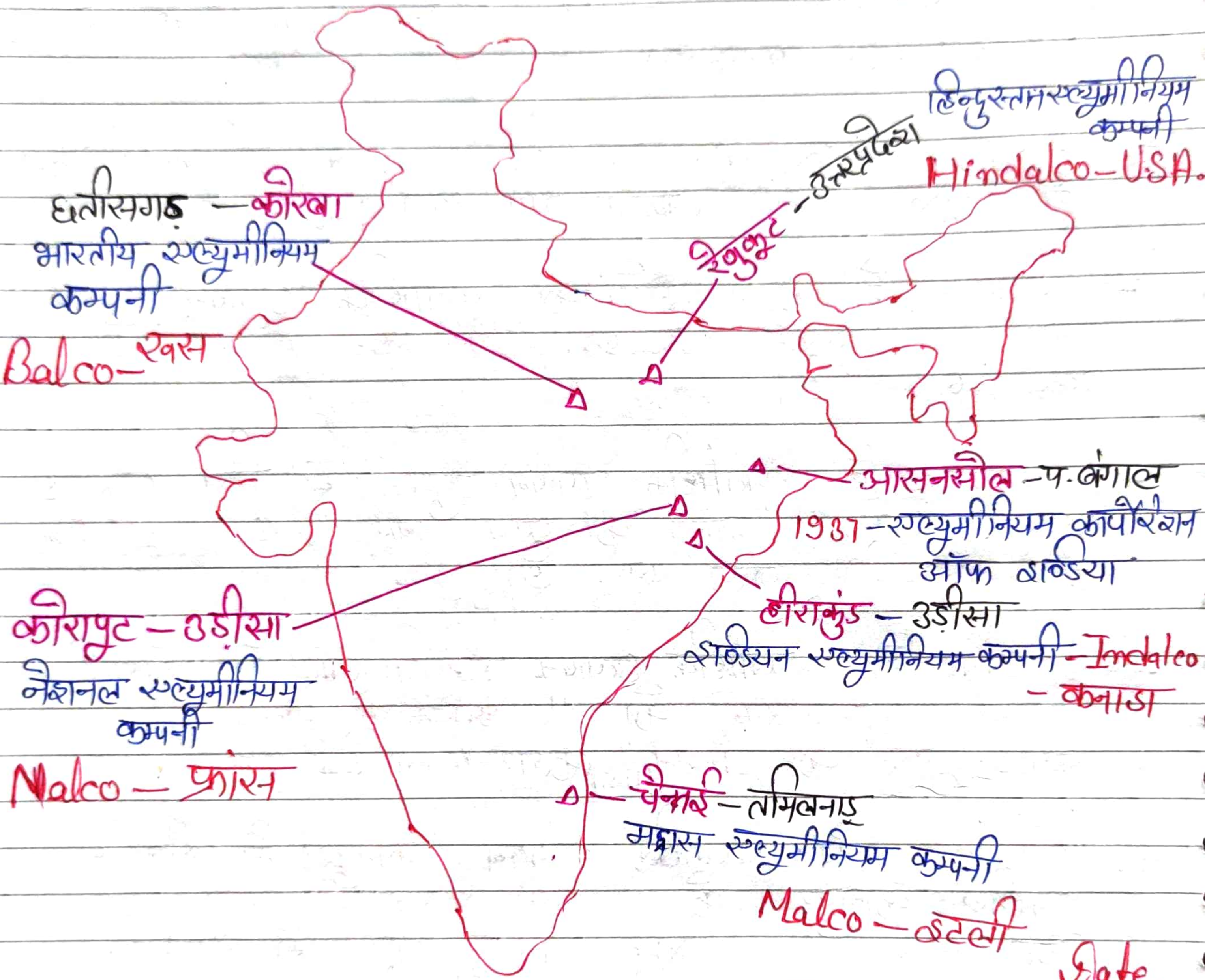

Date
19/10/2019

★ जूट उद्योग ★

प्रथम कारखाना — 1859 — रिशरा — प.बंगाल

सर्वाधिक उत्पादन

1. पश्चिम बंगाल — हुगली नदी
2. आंध्र प्रदेश — विशाखापट्टनम, गुंटूर
3. बिहार — पूर्णिया, दरभंगा, भागलपुर

★ भारत का सबसे बड़ा जलयान का कारखाना – कोच्चीन शिपयार्ड (केरल)
(नवीनतम) जापान के सहयोग से

5

★ चीनी उद्योग ★

प्रथम कारखाना – बेतिया – बिहार – 1903

1. उत्तरप्रदेश – मेरठ, मुज़फ्फरनगर, सहारनपुर
2. महाराष्ट्र – मुम्बई, पुणे, शोलापुर, कोल्हापुर
3. तमिलनाडु – मदुरै, कोयम्बटूर, तिरुचिरापल्ली

★ सीमेन्ट उद्योग ★

असफल कारखाना – चैन्नई
प्रथम कारखाना (सफल) – पोरबंदर – गुजरात – 1912-13

1. राजस्थान – चित्तौड़गढ़
2. मध्यप्रदेश – जबलपुर, सतना, कटनी
3. आंध्रप्रदेश – विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा, करीमनगर

★ जलयान उद्योग ★

★ प्रथम कारखाना – विशाखापट्टनम – सीमांध्र – 1941
सिंधिया नेवीगेशन कम्पनी

★ राष्ट्रीयकरण 1952 – हिन्दुस्थान शिपयार्ड नाम रखा गया।

* इसके बाद 3 कारखाने और स्थापित किये गये →

1. मुम्बई → मझगाँव डॉक कारखाना
2. कोलकाता → गार्डनरीच
★★ 3. कोच्चीन (केरल) → कोच्चीन शिपयार्ड → जापान के सहयोग से

यह भारत का सबसे बड़ा व सबसे आधुनिक जलयान उद्योग का कारखाना है।

★ रेल उपकरण ★

इंजन प्रथम कारखाना — चितरंजन — प. बंगाल — 1950

* इसके अतिरिक्त तीन स्थानो पर इंजन बनाये जाते है-

1. वाराणसी —
2. जमशेदपुर —
3. भोपाल —

] इंजन कारखाना

1. कपूरथला - पंजाब (v.Imp)
2. श्रीपेराम्बुर - तमिलनाडु

] डिब्बे बनाने का कारखाना

1. भरतपुर —
2. बंगलौर —

] वैगन कारखाना

★ कागज उद्योग ★

प्रथम कारखाना — सिरामपुर (श्रीरामपुर) — प. बंगाल — 1832.

* सबसे बड़ा — टीटागढ़ — प. बंगाल —
* अखबारी कागज — नेपानगर — M.P
* नोट के कागज — होशंगाबाद, देवास — M.P
* सर्वाधिक उत्पादन →

1. प. बंगाल → सिरामपुर, टीटागढ़, रानीगंज
2. महाराष्ट्र → मुम्बई, कल्याण, बल्लापुर *
3. आंध्रप्रदेश → कर्नूल, सिरपुर, बोधन

★ रेशम उद्योग ★

प्रथम कारखाना — हावड़ा — प. बंगाल

✳ सर्वाधिक उत्पादन →

1. ★ कर्नाटक → बैंगलोर, बेलगाम, मैसूर
2. जम्मू कश्मीर → श्रीनगर, बारामूला, अनन्तनाग
3. प. बंगाल → कोलकत्ता, मुर्शिदाबाद

भारत की बहुउद्देशीय योजनाएं ->

ओडीसा और आंध्र प्रदेश -> वंसधारा जल विवाद अधिकरण
धुआंधार जल प्रपात -> नर्मदा (M.P)
राणा प्रताप सागर -> राजस्थान (चित्तौड़गढ़)
महादाई जल विवाद न्यायाधिकरण मे राज्य -> गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र
सरदार सरोवर बांध -> गुजरात
रुकुरा मध्यम सिंचाई बांध परियोजना -> उड़ीसा
इंदिरा गांधी नहर / राजस्थान नहर को जल -> सतलज / व्यास
सारण सिंचाई नहर -> गंडक नदी
त्रिवेणी नहर मे पानी -> गंडक नदी से
राजस्थान नहर -> इंदिरा गांधी नहर
पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर मे विकसित किये जा रहे किशनगंगा हाइड्रो पावर परियोजना के निर्माण पर आपत्ति उठाई थी
-> जायकवाड़ी परियोजना -> गोदावरी नदी
-> पानी सप्लाई मे कमी -> इंदिरा गांधी कमाण्ड क्षेत्र मे समस्या नहीं

कोयना परियोजना -> महाराष्ट्र
गिरना परियोजना -> महाराष्ट्र
हीराकुण्ड परियोजना -> उड़ीसा -
तुंगभद्रा परियोजना -> कर्नाटक
हिडकल परियोजना -> घाटप्रभा
काकरापार परियोजना -> ताप्ती
भाखड़ा नांगल -> हरियाणा + पंजाब + राजस्थान
अल्माटी बांध -> कृष्णा नदी
राजस्थान नहर -> सतलज नहर
पोंग बांध -> व्यास नदी

मेट्टूर -> तमिलनाडु
मयूराक्षी -> पश्चिम बंगाल
नागार्जुन सागर -> आंध्र प्रदेश
हीराकुंड -> ओडिसा
शिवसमुद्रम -> कावेरी नदी
नागार्जुन सागर -> कृष्णा नदी
जायकवाड़ी -> गोदावरी, महाराष्ट्र
टिहरी -> भागीरथी (उत्तराखण्ड)

दक्षिण भारत मे सिंचाई व्यवस्था का अग्रदूत - सर आर्थर कॉटन
भारत की सिंचाई क्षमता का भाग पूरा होता है -> लघु परियोजनाओं से
मंगलम सिंचाई परियोजना -> केरल
(1958) इंदिरा गांधी नहर का उद्गम -> हरि के बैराज के सतलज व व्यास के संगम पर
व्यास नदी के पोंग बांध के जल का उपयोग -> इंदिरा गांधी नहर परियोजना
विश्व की सबसे पुरानी व विकसित नहर व्यवस्था -> गंग नहर (गंगा सिंह ने ->1927)
-> सरदार सरोवर परियोजना -> गुजरात (नर्मदा नदी)
गुजरात, महाराष्ट्र, M.P, राजस्थान

→ सरदार सरोवर बांध → नर्मदा नदी (M.P को सर्वाधिक लाभ → 65.78, G. 32%)
→ इंदिरा सागर बांध → नर्मदा नदी पर
→ भारत का सबसे पुराना जल शक्ति उत्पादन केन्द्र → शिवसमुद्रम (कावेरी नदी-कर्नाटक)
→ कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद → तमिलनाडु + कर्नाटक + केरल + पुडुचेरी
→ नागार्जुन परियोजना → कृष्णा नदी पर
हीराकुंड बांध → महानदी (ओडीशा)
चंबल नदी पर → गांधीसागर
चंबल घाटी से संबंधित → गांधी सागर, जवाहर सागर, राणाप्रताप सागर, बैराज
टिहरी जल विद्युत परियोजना → भागीरथी + भिलंगना
दामोदर घाटी निगम की स्थापना → 1948
भारत में भूटान के सहयोग से → चुक्का बांध (40 m)

भाखड़ा	→ सतलज	कावेरी	→ मेट्टूर
हीराकुंड	→ महानदी	कृष्णा	→ अलमट्टी
इडुक्की	→ परियार	नर्मदा	→ सरदार सरोवर
नागार्जुन सागर	→ कृष्णा	चम्बल	→ गांधी सागर
		लसकर नदी	→ तौलिया बांध

बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं को आधुनिक भारत के मंदिर → पं. जवाहरलाल नेहरू
★→ भारत में सबसे पुराना (प्रथम) जलविद्युत स्टेशन → सिद्राबाग (1897) पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के निकट
दूसरा जल विद्युत संयत्र → शिवसमुद्रम (1902) कर्नाटक में कावेरी नदी

फरक्का	→ प. बंगाल	रिहंद परियोजना	→ U.P
घाट प्रभा	→ कर्नाटक	उकाई बांध	→ गुजरात
हीराकुंड	→ ओडिशा	हीराकुंड	→ ओडिशा
काकरापार	→ गुजरात	कोयना	→ महाराष्ट्र

मेजा बांध → कोठारी नदी (भीलवाड़ा)
तुलबुल परियोजना → झेलम (पाकिस्तान - वुलर बैराज)
बगलिहार पावर प्रोजेक्ट, जिनके विषय में पाकिस्तान द्वारा विश्व बैंक के समक्ष विवाद उठाया गया → चिनाब नदी पर (जम्मू-कश्मीर में)
महाकाली संधि → भारत और नेपाल

माही बजाज सागर परियोजना → गुजरात + राजस्थान
चंबल परियोजना → राजस्थान, मध्यप्रदेश
व्यास परियोजना → राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
इंदिरा गांधी नहर परियोजना → राजस्थान + पंजाब

रिहंद परियोजना → सोन नदी
रानी लक्ष्मीबाई परियोजना → बेतवा नदी
रामगंगा परियोजना → रामगंगा
टिहरी → भागीरथी

सरदार सरोवर बांध → नर्मदा नदी
मैथोन बांध → बराकर नदी (झारखण्ड)
नागार्जुन सागर → कृष्णा नदी

बेतवा नदी → माताटीला
महानदी → हीराकुंड
ताप्ती → काकरापारा

दुलहस्ती हाइड्रो पॉवर स्टेशन → चिनाब नदी
नांगल बांध → सतलज नदी
हीराकुंड बांध → महानदी
गंडक परियोजना → बिहार + उत्तरप्रदेश
भारत के प्रथम बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना का निर्माण → दामोदर नदी पर
भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय ——— परियोजना → भाखड़ा-नांगल
पैराम्बिकुलम - आलियार परियोजना → केरल + तमिलनाडु
मचकुंड परियोजना → उड़ीसा + आंध्रप्रदेश
मयूराक्षी परियोजना → प. बंगाल + झारखण्ड
उकाई → गुजरात (ताप्ती नदी)
टेनेसी नदी घाटी परियोजना के आधार पर निर्माण → दामोदर घाटी परियोजना
पेरियार → केरल
इडुक्की → केरल

भारत व एशिया की एकमात्र अधोभौमिक संजय जल-विद्युत परियोजना → हिमाचल प्रदेश

कोसी परियोजना → बिहार
सलाल जल परियोजना जम्मू कश्मीर
बाण सागर → U.P, M.P, बिहार
रिहन्द बांध से सिंचाई → U.P, बिहार
तुलबुल परियोजना → झेलम नदी
भाखड़ा नांगल → सतलज नदी
दामोदर → प. बंगाल + झारखण्ड

रंगित परियोजना → अरुणाचलप्रदेश
लोकटक शक्ति परियोजना → मणिपुर

सरदार सरोवर परियोजना → राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र